ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम *विषय- हिन्दी*

दिनांक-29-12-2020 *शहीद का संदेश*

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रस्तुत पत्र हमारे देश के महान् सपूत, स्वतंत्रता के पुजारी सरदार भगत सिंह द्वारा लिखे गए हैं। पहला पत्र पिता को और दूसरा पत्र साथियों को संबोधित करते हुए लिखा गया है। इन पत्रों के माध्यम से हमें उनके महान चरित्र और पवित्र विचारों का परिचय मिलता है।

दिल्ली जेल से पिता को लिखा गया एक पत्र
~~~~~~~~~~

पूज्य पिता जी महाराज, *दिल्ली जेल*

बन्दे मातरम्। *26 अप्रैल,1929*

अर्ज यह है कि हम लोग २२ अप्रैल को पुलिस की हवालात से दिल्ली जेल में मुतकिल कर दिए गए थे इस वक्त दिल्ली में ही हैं। मुकदमा ७ मई को जेल के अंदर ही शुरू होगा। गालिबन एक माह में सारा ड्रामा खत्म हो जाएगा। ज्यादा फिक्र करने की जरूरत नहीं है। मुझे मालूम हुआ कि आप यहाँ तशरीफ लाए थे और किसी वकील वगैरह से बातचीत की थी और मुझसे मिलने की कोशिश भी की थी, मगर तब सब इंतजाम न हो सका । कपड़े मुझे परसों मिले । मुलाकात आप जिस दिन तशरीफ लाएँ ,हो सकेगी। वकील वगैरह की कोई खास जरूरत नहीं है। दो-एक अमूर पर थोड़ा-सा मशविरा लेना चाहता हूँ। मगर यह कोई खास अहमियत नहीं रखते । आप ख्वामख्वाह ज्यादा तकलीफ न कीजिएगा। अगर आप मिलने के लिए आएँ तो अकेले आइएगा वालिदा साहिबा को साथ न लाइएगा । ख्वामख्वाह वह रो देंगी और मुझे भी कुछ तकलीफ जरूर होगी। घर के सब हालात आपसे मिलने पर ही मालूम हो सकेंगे।

हाँ, अगर हो सके तो गीता रहस्य, नेपोलियन की मोटी सवानह-उमरी, जो आपको मेरी कुतुब में मिल जाएँगी, अंग्रेजी के कुछ आला नॉवेल लेते आइएगा। वालिदा साहिबा, भाभी साहिबा माता जी (दादी जी) के चरणों में नमस्ते अर्ज कर दीजिएगा। इस वक्त पुलिस-हवालात और जेल में हमारे साथ निहायत अच्छा सूलुक हो रहा है । आप किसी

किस्म की फिक्र न कीजिएगा।मुझे आपका एड्रेस मालूम नहीं है, इसलिए यह पते (काँग्रेस दफ्तर) पर लिख रहा हूँ।

आपके ताबेदार

भगत सिंह

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'